Chapter I and further information supplied by Government in respect of recommendations included in Chapter II of the Twenty-ninth Action Taken Report of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes on the Ministry of Communications—Reservations for, and employment of, Scheduled Castes and Scheduled Tribes in Indian Telephone Industries, Bangalore.

12.15 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported deteriorating law and order situation in Delhi as evidenced by recent incidents of day light dacoity in a jewellery shop and banks in Delhi

SHRI RASHEED MASOOD (Saharanpur) : I call the attention of the Minister of Home Affairs to the following matter of urgent public importance and request that he may make a statement thereon :

> "Reported deteriorating law and order situation in Delhi as evidenced by recent incidents of day light dacoity in a jewellery shop and banks in Delhi and the action taken by Government in the matter."

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI P.C. SETHI) : The Government are aware of the recent increase in certain categories of crime in Delhi. This may give rise to a feeling that there has been some deterioration in the law and order situation. Since the assumption of office by this Government in 1980, there has been a steady decline in the incidence of crime. Crime figures for the first 10 months of the current year indicate a rising trend. But as compared to the corresponding period of last year, there has been a decrease in the number of cases of dacoity and burglary besides some other types of crime. The Government are taking all possible steps to check this trend in crime.

2. Since 1980, the strength of Delhi Police has been substantially augmented. Efforts have been initiated for modernising the Police. A number of vehicles have been bought and improved systems of communication made available to the Police. We believe that the quality of man-power and its training are as important as the provision of equipment. In this context, the Government will continue to pay attention to other important aspects as recruitment, training and motivation and also in manning the higher positions in Delhi Police.

3. It is unfortunate that an incident of armed dacoity took place in one of the busiest areas of Delhi and that the culprits managed to escape. Two Police personnel who were on duty in the area have been placed under suspension. A departmental inquiry has been ordered. Efforts are being made to apprehend the culprits. It may be mentioned that in the wake of the reported movements of extremist elements to Delhi, effective coordination has to be maintained by the Delhi Police with the police set up in the neighbouring States.

4. I would reiterate that the Government are alive to the need for improving the general law and order situation in the national capital. The requirements for policing Delhi are under constant review and I assure the Hon. House that the maintenance of law and order will continue to receive the highest priority.

श्री रशीद मसूद : मौतरिम स्पीकर साहब, जनाब वजीर साहब का स्टेटमैंट पढ़ने के बाद मुझे 2 साल पहले की वह चर्चाएं याद आ रही हैं जो पार्लियामेंट की लावी में हुआ करती थीं। किसी साहब ने उस उक्त के होम मिनिस्टर से पूछा कि देश में ला एंड आर्डर की सिचुएशन क्या है, उनको जवाब मिला था कि ला की बात जाने ला मिनिस्टर साहब और आर्डर तो हमारे यहां प्राइम मिनिस्टर का चलता है, मैं तो सिम्पल होम मिनिस्टर हूं।

मैं मौतरम सेठी जी के बारे में बहुत अच्छी ओपीनियन रखता हूं और यकीन भी रखता हूं कि वह कोशिश करते होंगे कि हालात अच्छे हो जायें,

लेकिन हालात अच्छे हो नहीं सकते, इसलिये कि गवर्नमेंट का जो काम करने का सैट-अप है उसमें बेहतरी की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती है।

मैं होम मिनिस्टर से यह पूछना चाहूंगा कि क्या यह सच है कि कोई सुनील नाम का बदमाश दिल्ली में पकड़ा गया जिसकी निशान-देही पर त्यागी, जो एक बहुत बड़ा मर्डरर और डैकायट है, वह गिरफ्तार हुआ जो कि किसी एम० पी० का भतीजा है ? मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह सही है या नहीं ?

क्या उसकी सिफारिश के लिए या उसके मामलात की इन्क्वारी सी० बी० आई० से कराने के लिये कुछ एम० पीज ने आपको लिखा है और यदि हां, तो आपने उस मामले में क्या एक्शन लिया ?

यह एक छोटा सा मामला है, लेकिन मैं सिर्फ इसलिये यह बता रहा हूं कि ला एंड आर्डर में इम्प्रूवमेंट की कोई गुंजाइश नहीं है अगर इस तरह के हालात होते रहेंगे, पालिटीशियन्स का इंटर-फीयरेंस होता रहेगा तो जब तक पुलिस को और उस मशीनरी को ला एंड आर्डर को ठीक करने के लिए आप अपने मफाद के लिये इस्तेमाल करते रहेंगे या जब तक आपके दिमाग में यह रहेगा कि पुलिस को इलैक्शन्स में इस्तेमाल करना है तब तक मैं समझता हूं कि ला एंड आर्डर की सिचुएशन में सुधार की कोई उम्मीद नहीं है।

1980 के बाद अब तक यहां ला एंड आर्डर की सिचुएशन पर 7 बार डिस्कशन हो चुकी है और एज्जेक्ट तौर पर यह स्टेटमैंट दिया जाता है कि ला एंड आर्डर की सिचुएशन में इम्प्रूवमैंट हो रहा है और क्राइम का रेट नीचे गिर रहा है। जब हर बार ऐसा कहा जाता है, तो मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि वह रेट जीरो पर अब तक क्यों नहीं आ गया ? हर बार यही कहा जाता है कि क्राइम की सिचुएशन अब अच्छी है और इसका रेट गिर रहा है लेकिन वह गिरते-गिरते कब तक जीरो पर आ जायेगा ?

पिछले 3,4 महीनों में 17 बार दिल्ली में बाम्ब एक्सप्लोजन हो चुका है लेकिन कहा जाता है कि क्राइम रेट गिर रहा है और ला एंड आर्डर की सिचुएशन उम्दा है। अगर गवर्नमैंट इसके बावजूद भी मुतमईन है जो हालात के हैं तो अलग बात है। आज आपके एम० पीज सेफ नहीं हैं। हमारे श्री मधु दंडवते जी के यहां चोरी हो चुकी है, भूत-पूर्व संसद-सदस्य श्री ज्योतिर्मय बसु जी के चोरी हो चुकी, हमारे शास्त्री जी के यहां 2 बार चोरी हो गई। यह चोरी उन लोगों के यहां हो रही हैं जो कहा जाता है मुल्क में सबसे ज्यादा प्रोटेक्टेड हैं।

इसके अलावा साउथ एवेन्यु में एक एम० पी० के घर को कैप्चर कर लिया और वहां 24 घंटे पुलिस लगी रही और 24 घंटे के बाद उन्होंने सरैंडर किया। मैं जानना चाहता हूं कि साउथ एवेन्यु के फ्लैट नं० 79 को जो पिछले साल कुछ लोगों द्वारा कैप्चर कर लिया गया था उसके सिल-सिले में मुलजिमों को आपने अब तक क्या सजा दी ?

12.20 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

यही नहीं कि एम० पीज सेफ नहीं हैं, यहां पर डिप्लोमेट्स भी सेफ नहीं हैं, पिछले डेढ़ साल में मुखतलिफ कन्ट्रीज के डिप्लोमेट्स पर हमले हो चुके हैं। फिर भी मिनिस्टर साहब कहते हैं कि ला एंड आर्डर सिचुएशन बहुत अच्छी है। (व्यवधान) मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आप लोगों ने किया है, मैं यह कह रहा हूं कि आप लोगों की सरकार की मौजूदगी में क्राइम्ज बढ़ रहे हैं। (व्यवधान) पिछले चार महीनों में बम एक्शप्लोजन के 17 वाकिआत हुए हैं। दिल्ली की मुखतलीफ कालोनीज में मर्डर्ज, डैकायटीज और रोबरीज हो रही हैं। क्या मैं उनको एक-एक करके गिनवाऊं ?

अभी परसों करौल बाग में दिन के डेढ़ बजे राबरी का वाकया हुआ। जब कार वापस हो रही थी, तो एक आटो-रिक्सा वाले को शक हुआ।

उसने एक सिपाही से कहा कि कार गलत जगह से वापस की जा रही है, नेम-प्लेट लटकी हुई है, ऐसा लगता है कि फ्रैंक नेम-प्लेट लगी हुई है, लेकिन इस गवर्नमेंट की पुलिस इतनी एफिशेंट है, "दि गवर्नमेंट दैट वर्क्स" इतनी अच्छी है कि उस सिपाही ने कोशिश नहीं की कि वह उस कार को रोक कर उन लोगों से पूछता कि तुम कौन हो। उसने कोई इनक्वारी नहीं की। वे लोग एक जेवरों की दुकान को लूट कर आ रहे थे—वे लूटने नहीं जा रहे थे, बल्कि लूट कर वापस जा रहे थे—लेकिन कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

मैंने अगस्त में मिनिस्टर साहब को एक खत लिखा था। पालम थाने के मातहत एक साहब की जमीन पर गुंडों ने जबर्दस्ती कब्जा कर लिया। जब वह रिपोर्ट लिखाने थाने गया, तो उसका इन्दराज नहीं किया गया।

SHRI M. RAM GOPAL REDDY (Nizamabad) : Mr. Deputy-Speaker, should we discuss each and every incident ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : It is for the Minister to reply.

श्री मनी राम बागड़ी (हिसार) : रोज कत्ल डकैतियों और राबरीज होती हैं। आप बीच में क्यों बोलते हैं। यह गलत बात है। ऐसा नहीं होना चाहिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER : The Minister in his reply will say whatever he wants to say.

श्री रशीद मसूद : मैं बता रहा हूं कि दिल्ली में क्राइम रेट किस तरह बढ़ रहा है।

मैंने होम मिनिस्टर साहब को खत लिखा था कि पालम में एक गरीब आदमी की जमीन पर गुंडों ने कब्जा कर लिया है, लेकिन रिपोर्ट का इन्दराज नहीं हुआ। होम मिनिस्टर ने जवाब में कहा कि मैं खत लिख रहा हूं। थाने में रिपोर्ट लिखी जाएगी। अगर कोई आदमी थाने में रिपोर्ट लिखाने के लिए जाता है, तो कानूनी तौर पर थाने का फर्ज है कि वह इन्दराज करे तो उसकी सही या गलत एनक्वायरी करे। लेकिन रिपोर्ट का इन्दराज करने से थाना इन्कार नहीं कर सकता। मिनिस्टर साहब के लेटर के बावजूद उस रिपोर्ट का इन्दराज नहीं हुआ है। इतिफाक से यह कालिंग एटेन्शन नोटिस मंजूर हो गया है, वर्ना मैं उनकी खिदमत में हाजिर होने वाला था। जब जमीन पर नाजायज कब्जे से मामूली मामले का रिपोर्ट का इन्तराज नहीं किया जा रहा है, तो अपराधों का नम्बर घटेगा ही, वह बढ़ेगा नहीं। डिपार्टमेंट जो नम्बर सप्लाई करेगा, वही नम्बर होगा। क्या सरकार की इंस्ट्रक्शन्ज हैं कि रिपोर्ट का इन्दराज न किया जाए ? अगर ऐसा नहीं है, तो मिनिस्टर साहब इस बारे में एनक्वारी करें और इन्दराज न करने वालों को सजा दें।

श्री मनी राम बागड़ी : लोनी में क्या हुआ है ? (**व्यवधान**) रोज मर्डर और डकैतियां हो रही है। (**व्यवधान**)

श्री रशीद मसूद : आप क्राइम को नहीं रोक सकते, क्योंकि आपकी पालिसी यह है कि शुतुरमुर्गा की तरह रेत में गर्दन दबा दो और समझ लो कि किसी तरफ से खतरा नहीं है।

आप इंस्टीट्यूशन्ज को तबाह कर रहे हैं। 10 अक्तूबर की बात है कि **इंडियन एक्सप्रेस** वाले कोर्ट से इनजंक्शन लेकर आए कि उनकी बिल्डिंग के 100 याड्ज के अन्दर कुछ स्पेसिफाइड लोगों को न आने दिया जाए, लेकिन पुलिस ने उस पर अमल-दरामद नहीं किया। अदालतों के पास अपनी कोई मशीनहरी नहीं है कि वह अपने आर्डर्ज को एक्सीक्यूट कराए। उन आर्डर्ज को एक्सीक्यूट करना गवर्नमेंट का काम है, लेकिन गवर्नमेंट पर पोलीटिकल प्रेशर पड़ता है। क्या यह सच नहीं है कि **इण्डियन एक्सप्रेस** वाले इनजंक्शन आर्डर लेकर आए कि फलां-फलां आदमियों को—उनके नाम दिए हुए थे—बिल्डिंग के 100 गज के अन्दर न आने दिया जाए, लेकिन उन लोगों को रोकने के लिए पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की ? क्या यह सच है या नहीं ?

दूसरी बात मैं यह पूछना चाहता हूं कि आज

तक राबरीज करने वालों की जिनकी गाड़ियों के नम्बर आपको पता चल गए उनकी तादाद कितनी है, पिछले चार महीने में उनमें से कितने लोगों को पकड़ लिया गया है, कितने लोगों पर शक है, कितने लोगों को पकड़ा नहीं जा सका है और उसकी वजह क्या है ? इसमें से कितने मामलों के बारे में आपके ऊपर पोलिटिकल सिफारिश आई ?

अब तो इस मुल्क का खुदा ही हाफिज है जब ब्रह्मचारी भी गैर-कानूनी बन्दूकें बनाने लगे हैं। चूंकि ब्रह्मचारी साहब यहीं के रहने वाले हैं मैं पूछना चाहता हूं कि ऐसा तो नहीं है कि एक्सट्रीमिस्ट्स को सप्लाई इन ब्रह्मचारी की ही गन-फैक्ट्री से हो रही हो ? अगर ऐसा है तो उनके खिलाफ आप क्या ऐक्शन ले रहे हैं ?

شری رشید مسعود (سہارنپور) : محترم اسپیکر صاحب جناب وزیر صاحب کا اسٹیٹمینٹ پڑھنے کے بعد مجھے دو سال پہلے کی وہ چیزیں یاد آرہی ہیں جو پارلیمنٹ کی لابی میں ہوا کرتی تھیں۔ کسی صاحب نے اس وقت کے ہوم منسٹر سے پوچھا کہ مین لا اینڈ آرڈر کی سچویشن کیا ہے ان کو جواب ملا تھا کہ لا کی بات جانے لا منسٹر صاحب اور آرڈر تو ہمارے یہاں پرائم منسٹر کا چلنا ہے میں تو سمپل ہوم منسٹر ہوں۔

میں محترم سیٹھی جی کے بارے میں بہت اچھی اوپینین رکھتا ہوں اور یقین بھی رکھتا ہوں کہ وہ کوشش کرتے ہوں گے کہ حالات اچھے ہو جائیں لیکن حالات اچھے ہو نہیں سکتے اس لیے کہ گورنمینٹ کا جو کام کرنے کا سیٹ اپ ہے اس میں بہتری کی کوئی امید نہیں کی جا سکتی ہے۔

میں ہوم منسٹر سے یہ پوچھنا چاہوں گا کہ کیا یہ سچ ہے کہ کوئی سنیل نام کا بدمعاش دلی میں پکڑا گیا جس کی نشاندہی پر تیاگی جو ایک بہت بڑا مرڈرر اور ڈیکائیٹ ہے وہ گرفتار ہوا جو کہ کسی ایم پی کا بھتیجہ ہے میں جاننا چاہتا ہوں کہ کیا یہ صحیح ہے یا نہیں۔

کیا اس کی سفارش کے لیے یا اس کے معاملات کی انکوائری سی بی آئی کرانے کے لیے کچھ ایم پیز نے آپ کو لکھا ہے اور اگر ہاں تو آپ نے اس معاملے میں کیا ایکشن لیا۔

یہ ایک چھوٹا سا معاملہ ہے لیکن میں صرف اس لیے یہ بتا رہا ہوں کہ لا اینڈ آرڈر میں امپرووومینٹ کی کوئی گنجائش نہیں ہے اگر اس طرح کے حالات ہوتے رہیں گے۔ پالیٹیشینس کا انٹرفیرنس ہوتا رہے گا تو۔ جب تک پولیس کو اور اس مشینری کو لا اینڈ آرڈر کو ٹھیک کرنے کے لیے آپ اپنے مفاد کے لیے استعمال کرتے رہیں گے یا جب تک آپ کے دماغ میں یہ رہے گا کہ پولیس کو الیکشنس میں استعمال کرنا ہے تب تک میں سمجھتا ہوں کہ لا اینڈ آرڈر کی سچویشن میں سدھار کی کوئی امید نہیں ہے۔

۱۹۸۰ء کے بعد اب تک یہاں لا اینڈ آرڈر کی سچویشن پر سات بار ڈسکشن ہو چکی ہے اور ایگزیکٹ طور پر یہ اسٹیٹمینٹ دیا جاتا ہے کہ لا اینڈ آرڈر کی سچویشن میں امپرووومینٹ ہو رہا ہے اور کرائم کا ریٹ نیچے گر رہا ہے۔ جب ہر بار ایسا کہا جاتا ہے تو میں نہیں سمجھ پا رہا ہوں کہ وہ ریٹ زیرو پر اب تک کیوں نہیں آگیا ہے۔ ہر بار یہی کہا جاتا ہے کہ کرائم کی سچویشن اب اچھی ہے اور اس کا ریٹ گر رہا ہے لیکن وہ گرتے گرتے کب تک زیرو پہ آجائے گا۔

پچھلے تین چار مہینوں میں ۱۷ بار دلی میں بم ایکسپلوزن ہو چکا ہے لیکن کہا جاتا ہے کہ کرائم ریٹ گر رہا ہے اور لا اینڈ آرڈر کی سچویشن عمدہ ہے۔ اگر گورنمینٹ اس کے باوجود بھی مطمئن ہے جو حالات آج کے ہیں تو الگ بات ہے۔ آج آپ کے ایم پیز سیف نہیں ہیں ہمارے شری مدھو ڈنڈاوتے۔ جن کے یہاں چوری ہو چکی ہے بہت پورو سنسد سدسیہ شری جھونجھنوالے بسو جی کے چوری ہو چکی ہے۔ ہمارے شاستری جی کے یہاں دو بار چوری ہو گئی۔ یہ چوری ان لوگوں کے یہاں ہو رہی ہیں جو کہا جاتا ہے ملک میں سب سے زیادہ پروٹیکٹڈ ہیں۔

اس کے علاوہ ساوتھ ایوینیو میں ایک ایم پی کے گھر کو کیپچر کر لیا اور وہاں ۲۴ گھنٹے پولیس لگی رہی اور ۲۴ گھنٹے کے بعد انھوں نے سرینڈر کیا میں جاننا چاہتا ہوں کہ ساوتھ ایوینیو کے فلیٹ نمبر ۹۷ کو جو پہلے سال کچھ لوگوں دوارا کیپچر کر لیا گیا تھا اس کے سلسلے

میں ملزموں کو آپ نے اب تک کیا سزا دی یہی نہیں کہ ایم پیز سیف نہیں ہیں یہاں پر ڈپلومیٹس بھی سیف نہیں ہیں۔ پچھلے ڈیڑھ سال میں مختلف کنٹریز کے ڈپلومیٹس پر حملے ہو چکے ہیں۔ پھر بھی منسٹر صاحب کہتے ہیں کہ لا اینڈ آرڈر سچویشن بہت اچھی ہے۔ (انٹرپشن) میں یہ نہیں کہہ رہا ہوں کہ آپ لوگوں نے کیا ہے میں یہ کہہ رہا ہوں کہ آپ لوگوں نے کہا ہے میں یہ کہہ رہا ہوں کہ آپ لوگوں کی سرکار کی موجودگی میں کرائمز بڑھ رہے ہیں۔ (......) (انٹرپشن) ... پچھلے چار مہینوں میں بم ایکسپلوزن کے ۷ واقعات ہوئے ہیں۔ دلی کی مختلف کالونیز میں مرڈرز ڈکیتیاں اور رابریز ہو رہی ہیں کیا میں ان کو ایک ایک کر کے گنوا دوں۔

ابھی پرسوں قرول باغ میں دن کے ڈیڑھ بجے رابری کا واقعہ ہوا۔ جب کار واپس ہو رہی تھی تو ایک آٹو رکشا والے کو شک ہوا۔ اس نے ایک سپاہی سے کہا کہ کار غلط جگہ سے واپس کی جا رہی ہے نمبر پلیٹ لٹکی ہوتی ہے لگتا ہے کہ نیم فریک لگی ہوئی ہو۔

لیکن اس گورنمنٹ کی پولیس اتنی ایفیشینٹ ہے "دی گورنمنٹ ریٹ ورکس" اتنی اچھی ہے کہ اس سپاہی نے کوشش نہیں کی کہ وہ اس کار کو روک کر ان لوگوں سے پوچھتا ہے کہ تم کون ہو۔ اس نے کوئی انکوائری نہیں کی وہ لوگ ایک زیوروں کی دوکان کو لوٹ کر جا رہے تھے۔ وہ لوٹنے نہیں جا رہے تھے بلکہ لوٹ کر وہ واپس جا رہے تھے۔ لیکن کوئی گرفتاری نہیں ہوئی۔

میں نے اگست میں منسٹر صاحب کو ایک خط لکھا تھا۔ پالم تھانے کے ماتحت ایک صاحب کی زمین پر غنڈوں نے زبردستی قبضہ کر لیا۔ جب وہ رپورٹ لکھانے تھانے گیا تو اس کا اندراج نہیں کیا گیا۔

SHRI M. RAM GOPAL REDDY (Nizamabad) : Mr. Deputy-Speaker, should we discuss each and every incident ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : It is for the Minister to reply.

श्री मनीराम बागड़ी : रोज कत्ल, डकैतियां और रावरीज होती हैं। आप बीच में क्यों बोलते हैं ? यह बात गलत है। ऐसा नहीं होना चाहिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER : The Minister in his reply will say whatever he wants to say.

شری رشید مسعود۔ میں بتا رہا ہوں کہ دلی میں کرائم ریٹ کس طرح بڑھ رہا ہے۔

میں نے ہوم منسٹر صاحب کو خط لکھا تھا کہ پالم میں ایک غریب آدمی کی زمین پر غنڈوں نے قبضہ کر لیا ہے لیکن رپورٹ کا اندراج نہیں ہوا۔ ہوم منسٹر نے جواب میں کہا کہ میں خط لکھ رہا ہوں تھانے میں رپورٹ لکھی جائے گی۔ اگر کوئی آدمی تھانے میں رپورٹ لکھانے کے لیے جاتا ہے تو قانونی طور پر تھانے کا فرض ہے کہ وہ اندراج کرے اور اس کی صحیح یا غلط انکوائری کرے لیکن رپورٹ کا اندراج کرنے سے تھانا انکار نہیں کر سکتا منسٹر صاحب کے لیٹر کے باوجود اس رپورٹ کا اندراج نہیں ہوا ہے۔ اتفاق سے یہ کالنگ اٹینشن نوٹس منظور ہو گیا ہے۔ ورنہ میں ان کی خدمت میں حاضر ہونے والا تھا جب زمین پر ناجائز قبضے کے معمولی معاملے کی رپورٹ کا اندراج نہیں کیا جا رہا ہے تو اپرادھوں کا نمبر گھٹے گا۔ ہی وہ بڑھے گا نہیں۔ ڈیپارٹمنٹ جو نمبر سپلائی کرے گا۔ وہی نمبر ہوگا۔ کیا سرکار کی انسٹرکشنز ہیں کہ رپورٹ کا اندراج نہ کیا جائے۔ اگر ایسا نہیں ہے تو منسٹر صاحب اس بارے میں انکوائری کریں اور اندراج نہ کرنے والوں کو سزا دیں۔

श्री मनीराम बागड़ी : लोनी में क्या हुआ है ? (व्यवधान) रोज मर्डर और डकैतियां हो रही हैं। (व्यवधान)

شری رشید مسعود: آپ کرائم کو نہیں روک سکتے کیونکہ آپ کی پالیسی یہ ہے کہ شتر مرغ کی طرح ریت میں گردن دبا دو اور سمجھ لو کہ کسی طرف سے خطرہ نہیں ہے۔

آپ انسٹی ٹیوشنز کو تباہ کر رہے ہیں۔ ۱۰ اکتوبر کی بات ہے کہ انڈین ایکسپریس والے کورٹ سے انجکشن لے کر

ئے کہ انکی بلڈنگ کے .. یا رڈز کے اندر کچھ اسپیفائڈ لوگوں کو نہ آنے دیا جائے لیکن پولیس نے اس پر عمل درآمد نہیں کیا۔ عدالتوں کے پاس اپنی کوئی مشینری نہیں ہے کہ وہ اپنے آرڈرز کو ایکسیکیوٹ کرائے ان آرڈرز کو ایکسیکیوٹ کرنا گورنمنٹ کا کام ہے لیکن گورنمنٹ پر پالیٹکل پریشر پڑتا ہے ۔ کیا یہ سچ نہیں ہے کہ انڈین ایکسپریس والے انجکشن آرڈر لے کر آئے کہ فلاں فلاں آدمیوں کو ۔ ان کے نام دیے ہوئے تھے بلڈنگ کے .. اگزر کے اندر نہ آنے دیا جائے لیکن ان لوگوں کو روکنے کے لیے پولیس نے کوئی کاروائی نہیں کی ۔ کیا یہ سچ ہے یا نہیں ۔

دوسری بات میں یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ آج تک رابریز کرنے والوں کی جن کی گاڑیوں کے نمبر آپ کو پتا چل گئے ان کی تعداد کتنی ہے پچھلے چار مہینے میں ان میں سے کتنے لوگوں کو پکڑ لیا گیا ہے کتنے لوگوں پر شک ہے کتنے لوگوں کو پکڑا نہیں جاسکا ہے اور اس کی وجہ کیا ہے ۔ ان میں سے کتنے معاملوں کے بارے میں آپ کے اوپر پالیٹیکل سفارش آئی ۔

اب تو اس ملک کا خدا ہی حافظ ہے جب بر ہیچاری بھی غیر قانونی بندوقیں بنانے لگے ہیں ۔ چونکہ بر ہیچاری صاحب یہیں کے رہنے والے ہیں میں پوچھنا چاہتا ہوں کہ ایسا تو نہیں ہے کہ ایکسٹریمسٹس کو سپلائی ان بر ہیچاری کی ہی گن فیکٹری سے ہو رہی ہو ۔ اگر ایسا ہے تو انکے خلاف آپ کیا ایکشن لے رہے ہیں ۔

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : सुनिल एलियास पप्पू नाम का व्यक्ति सुनील त्यागी गैंग के साथ पकड़ा गया है। उसमें आठ आदमी पकड़े गए हैं। यह सही है कि वह एक माननीय सदस्य का ब्रदर-इन-ला है लेकिन किसी भी प्रकार की सिफारिश किसी माननीय सदस्य की ओर से उसको छोड़ने के बारे में या कैस की छानबीन न करने के बारे में नहीं आई है। न किसी ने कोई लेटर लिखा है और न कोई सिफारिश आई है।

जहां तक दिल्ली में क्राइम्स जो हो रहे हैं उनके इन्वेस्टिगेशन या पकड़-धकड़ का सवाल है ऐसा नहीं है कि दिल्ली पुलिस कामयाब नहीं हुई है। कई मामलों में गिरफ्तारियां उसने की हैं और लोग गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ-साथ दिल्ली में जो ऐक्सट्रीमिस्ट ऐक्टिविटीज हैं उनको रोकने के लिए निम्नलिखित कार्यवाही की है :

(i) Drop gates have been set up on the main roads leading outside Delhi.

(ii) Police presence and vigilance has been increased at vulnerable places.

(iii) Intensive checking of hostels and guest houses is being done regularly to locate extremist elements and suspicious strangers.

(iv) A watch has been kept at possible hide-outs in order to locate suspected extremists visiting Delhi.

(v) A coordinated system of patrolling with wireless fitted motor-cycles, police station vehicles and control room cars has been brought into effect.

(vi) Police pickets have been set up at certain strategic points within the city and on the border.

इसलिए हमारी पूरी कोशिश यह है कि दिल्ली में जो क्राइम हो रहे हैं उनको रोका जाय। मैंने यह नहीं कहा कि क्राइम निरन्तर घटता जा रहा है। मैंने कहा कि जहां तक 1980 में जो क्राइम रेट था उसके मुकाबिले में दो साल में घटा है।... (व्यवधान)... लेकिन मैंने यह स्वीकार किया कि पिछले दस महीने में दिल्ली में कुछ किस्म के क्राइम्स में बढ़ोत्तरी हुई है और उसकी रोकथाम के लिए हम पूरी कोशिश कर रहे हैं।...... (व्यवधान)......

श्री रशीद मसूद : पालम थाने के बारे में जो मैंने पूछा था उसका जबाव नहीं दिया...... (व्यवधान)...... उसके खिलाफ ऐक्शन लेंगे या नहीं ?

شری رشید مسعود : پالم تھانے کے بارے میں جو میں نے پوچھا تھا اسکا جواب نہیں دیا۔
...(انٹرپشن)... اسکے خلاف ایکشن لیں گے نہیں۔ ... (انٹرپشن)..

(Interruptions)

I put a question about Palam thana.

(Interruptions)

SHRI P.C. SETHI : As far as this particular question is concerned, it is difficult for me to remember at this stage what the matter is. I would certainly look into it.

श्री रशीद मसूद : मैंने यह भी पूछा था कि गाड़ियों के नेम प्लेट या नम्बर प्लेट जो बदले हुए थे उनमें कितने केसेज हुए हैं, कितनों की गिरफ्तारी हुई है और कितने गिरफ्तार नहीं हुए हैं ?

شری رشید مسعود : میں نے یہ بھی پوچھا تھا کہ گاڑیوں کے نیم پلیٹ یا نمبر پلیٹ جو بدلے ہوئے تھے ان میں کتنے کیسز ہوئے ہیں کتنوں کی گرفتاری ہوئی ہے اور کتنے گرفتار نہیں ہوئے ہیں۔

SHRI P.C. SETHI : Sir, normally the number plates of these cars are fake numbers or changed numbers. For example, the car recently used was of Karachi Taxi Stand and that particular car was under repair in that stand and that number plate was put out and immediately after the crime was committed, the number plate was changed.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Now, Mr. Ramavatar Shastri.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE (New Delhi) : Sir, are you satisfied with the reply given by the hon. Minister ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : I do not know. I have no opinion to offer. Yes, Mr. Ramavatar Shastri.

(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER : I am only a Presiding Officer. I have no opinion to offer in this regard.

(Interruptions)

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : I wish you remember this when you express opinion on controversial issues.

MR. DEPUTY-SPEAKER : I am not a judge to give my own verdict.

(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Yes, Mr. Ramavatar Shastri. I have no opinion to offer.

(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER : I am not allowing you.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : At least, he should give a satisfactory reply. This cannot be dealt with in a cursory manner.

MR. DEPUTY-SPEAKER : No presiding officer can give opinion on any discussion here. We have to only conduct the House.

श्री मनीराम बागड़ी : उपाध्यक्ष महोदय, ...

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Ramavatar Shastri.

I can stop Shri Bagri and ask you to speak. That is our work as presiding officers. Please sit down. I am not going to record anything, whatever you say. Mr. Ramavatar Shastri is on his legs. His name is there. It has come in the ballot. Your name did not come. You are not so lucky.

(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER : By all these things, we spoil the discussion. He raised the point and I gave my own decision. The point is if all of you get up and speak at a time, the Government will easily escape. Be

careful. You bring a pointed question and put it.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : The pointed question was put—whether Brahmachari supplied arms to extremists. It was a pointed question.

MR. DEPUTY-SPEAKER : He had asked for the clarifications and he got it.

Yes, Shri Ramavatar Shastri. If you want to sit and put your questions, I am permitting you.

श्री मनीराम बागड़ी : एक्सपंज तो नहीं किया है ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : Expunction is your own property. Only if Mr. Bagri says, I will expunge it !

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : मंत्रीजी के वक्तव्य में कोई जान नहीं है क्योंकि इसमें सच्चाई को छिपाया गया है। उपाध्यक्ष जी, देश के विभिन्न भागों में कानून व व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। स्वयं राजधानी दिल्ली में कानून व व्यवस्था की स्थिति में गिरावट आ गई है। इस बात को स्वयं गृह मन्त्री श्री प्रकाश चन्द्र सेठी ने भी स्वीकार किया है।

राजधानी में डकैती, हत्या, वटमारी, दहेज के नाम पर युवतियों की हत्या करना आम बात हो गई है। 17 नवम्बर को पंजाब नैशनल बैंक की सर्वोदय इन्क्लेव शाखा से सशस्त्र डकैतों ने दिन-दहाड़े सात लाख रुपए लूट लिए। 26 नवम्बर को करोलबाग क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाके में दिन-दहाड़े 6 सशस्त्र युवकों ने एक जौहरी की दूकान को लूट लिया। तीस लाख रुपए का सामान लूट-कर वे चम्पत हो गए।

ये घटनायें पहली बार नहीं घटीं। इनके पहले भी कई बैंकों को दिनदहाड़े लूटा गया। अनेक हत्यायें की गयीं। दिल्ली के यमुना पार क्षेत्र में दो सिनेमा घरों में बम विस्फोट के कारण पांच लोगों की मृत्यु हो गई और 15 घायल हो गए। कुछ माह पूर्व वसन्त विहार में डाका और हत्या की घटना हुई। कुछ माह पहले पालम हवाई अड्डे से आने वाले यात्रियों की गाड़ी का पीछा कर उनकी हत्या कर दी गई तथा सामान लूट लिया गया। गत अगस्त माह में ईस्ट पटेल नगर में रह रहे प्रसिद्ध लेखक और अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक महासंघ के महामन्त्री श्री भीष्म साहनी और उनकी पत्नी की अनुपस्थिति में लुटेरे उनके घर से दिनदहाड़े सारा सामान लूट ले गए।

इन घटनाओं से यह स्पष्ट है कि कानून व्यवस्था की स्थिति कितनी गम्भीर है। इसी के अंग के रूप में राजनीति हत्याओं का भी दौर शुरू है जिसमें बिहार सबसे अव्वल है। पिछले दो वर्षों में वहां 60 राजनीतिक हत्यायें की गयीं जिनमें 45 कम्युनिस्ट हैं।

अब मैं सवाल पूछ रहा हूं। कानून व्यवस्था में इस गिरावट के कारण क्या हैं ? क्या इनके पीछे सामाजिक एवं आर्थिक कारण तो नहीं जुड़े हुए हैं ? क्या राजनीतिक हत्याओं के पीछे शासक दल के लोगों का हाथ तो नहीं है ? दिल्ली में गत जुलाई से लेकर नवम्बर के अंत तक हुई डकैतियों, हत्याओं, बलात्कारों, लूटपाट, बटमारी आदि घट-नाओं का ब्यौरा क्या है ? क्या यह बात सच है कि पुलिस इन वाक्यातों को रोकने में अक्षम साबित हो रही है ? यदि नहीं, तो पुलिस ने इन जघन्य अपराधों में लिप्त कितने लोगों को गिरफ्तार किया है ? क्या पुलिस द्वारा ऐसे तत्वों को साथ देने की बात भी सामने आई है ? यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ? क्या हत्याओं एवं डकैतियों में, मैं डकैतियों की बात कह रहा हूं, केवल एस्ट्रीमिस्ट की बात नहीं कह रहा हूं, धीरेन्द्र ब्रह्मचारी के कारखाने में बनी बन्दूकों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसकी जोरदार चर्चा है ? दिल्ली की सीमा को सील करने के बावजूद बाहरी लुटेरे या हत्यारे किस प्रकार से दिल्ली में प्रवेश कर जाते हैं ? क्या सरकार इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए नागरिकों को परिचय-पत्र देने का विचार कर रही है ? यदि हां, तो रोज बाहर से आने वाले हजारों व्यक्तियों का क्या होगा ?

परिचय-पत्र किस प्रकार से और कहां दिया जाएगा ? क्या ऐसा व्यवहारिक होगा ? कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार लाने में असफलता के लिए दंडित किए गए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का जुलाई से लेकर अब तक का ब्यौरा क्या है ?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक हत्याओं और डकैतियों के पीछे आर्थिक और सामाजिक कारण का सवाल है, यह संभव है कि कुछ मामलों में सामाजिक तो नहीं लेकिन आर्थिक कारण तो लूट की घटनाओं में खास तौर पर है ही। लेकिन माननीय सदस्य का यह ख्याल ठीक नहीं है कि इसके पीछे राजनीतिक व्यक्तियों का हाथ है। जहां तक पिछले दिनों में दिल्ली में जो क्राइम्स हुए हैं और उनके पकड़े जाने का सवाल है, तो दिल्ली में अभी तक 13 डकैतियां हुई हैं।

एक माननीय सदस्य : किस वर्ष में ?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : 1983 (31-10-83 तक) में। इनमें दस वर्क-आउट हुई हैं और 43 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। मर्डर 210 हुए हैं, 130 वर्क आउट हुए हैं और 279 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। रोबरी की घटनायें 183 हुई हैं, 85 वर्कआउट हुई हैं और 178 व्यक्ति गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही जो बलविन्दर सिंह बल्ले गैंग को पकड़ा गया है, जिसने 21 घटनायें रॉबरी और डकैती की यू० पी० और दिल्ली में 1982 की थी। युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, ग्रेटर कैलाश में जिन लोगों ने लूटा था, वे पकड़े गए हैं और उनसे एक लाख रुपए में से करीब 22 हजार 776 रुपए वसूल किए गए हैं। केनारा बैंक, साउथ एक्सटेंशन, में जो 6 लाख 42 हजार की लूट हुई थी, वे लोग पकड़े गए हैं और उनसे दो लाख दो हजार 258 रुपए प्राप्त किए गए हैं। इस प्रकार से निरन्तर पुलिस प्रयास कर रही है। लेकिन मैंने यह स्वीकार किया है कि पिछले दस महीनों में ये घटनायें बढ़ी हैं और इन घटनाओं के बढ़ने के कारण ही पुलिस को आधुनिक बनाए जाने का पूरा प्रयत्न किया जा रहा है। जो आधुनिक साधन 'नेम' और 'चोगम' के लिए आए थे, वे दिल्ली पुलिस को दिए जा रहे हैं। उनकी जीप की संख्या भी बढ़ाई गई है। उनको वायरलैस सैट भी दिए जा रहे हैं। उनके ट्रेनिंग और रिक्रूटमेंट की नीति में भी परिवर्तन किया जा रहा है। जहां तक धीरेन्द्र ब्रह्मचारी जी के कारखाने में बने हुए हथियारों का सवाल है, किसी भी घटना में इस प्रकार के हथियारों का उपयोग होना दिल्ली में नहीं पाया गया है।

एक माननीय सदस्य : कहीं और पाया जाता है।

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : दिल्ली का सवाल है, पंजाब का सवाल नहीं है। जहां तक इन हथियारों का ताल्लुक है, ये गन्स हैं। जबकि आमतौर पर दिल्ली की घटनाओं में गन्स प्रयोग नहीं हुई हैं।

SHRI M. RAM GOPAL REDDY : Sir, it is very very unfortunate that whenever something of violent nature takes place, the Opposition wants immediately to take advantage of it and they are very happy about it. They never feel for that. They never condemn it.

MR. DEPUTY-SPEAKER : That is why they are in the House. They will definitely take advantage of it.

SHRI M. RAM GOPAL REDDY : The population is increasing at very fast rate, especially in New Delhi. I would like to know from the Hon. Minister whether the number of policemen has been also proportionately increased or not and, if not, why the Hon. Minister has not taken steps so far.

The Opposition have brought in the name of Shri Dhirendra Brahmachari. Shri Dhirendra Brahmachari is a respected spiritual leader.

(Interruptions)

Only to bring Shri Dhirendra Brahmachari to disrepute, the Opposition have started all this propaganda against him. How can a man who is also associated with several good institutions in the country in-

dulge in such things ? If Shri Dhirendra Brahmachari wants to make any representation, he can directly meet the Minister of Home Affairs and get himself discharged. Time and again, Shri Dhirendra Brahmachari has been condemning the violence that is occurring everywhere in this country.

I would like to know from the Hon. Minister whether he has got any information to the effect that it is the Opposition that has planned all these things to bring Shri Dhirendra Brahmachari into disrepute.

But I am sure that the efforts of the Opposition would fail because Shri Dhirendra Brahmachari is known as a spiritual leader not only in this country but also in the whole world.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : What spiritualism ? If you allow Mr. Dhirendra Brahmachari's praise to go on record, what about our criticism, our attack and our allegations ? Shri Dhirendra Brahmachari is not present here.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Actually, the case is at the investigation stage. Neither this side speaking about it nor that side speaking against him, is in order. Anyhow, please don't mention. The case is at the investigation stage.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : Do you agree with the view that Shri Dhirendra Brahmachari is a spiritual leader ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : I have already told you. He has got the freedom of speech as you have got the freedom of speech. Unless it is unparliamentary, I cannot remove it. Please carry on.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : Why don't you exercise your own freedom of speech ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : When you can accuse him, he can support him.

SHRI M. RAM GOPAL REDDY : Shri Dhirendra Brahmachari is teaching Yogabhyasa in several places to several people every day in the morning.

MR. DEPUTY-SPEAKER : In this Call Attention, his name need not be dragged. When the name has been dragged, they have got to say something about it. What to do ? If you had not mentioned the name of the person who is not a Member of this House, I would have even stopped it. I did not want to stop it. Shri Dhirendra Brahmachari is not a Member of this House and his name has been mentioned. But I did not stop it. Therefore, he has got to say.

(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Ramavatar Shastri has raised the point.

SHRI RASHEED MASOOD : He has said nothing about law and order.

SHRI M. RAM GOPAL REDDY : I would like to know from the Hon. Minister the people who have been arrested, to which party they belong and whether he has got any information in this regard. In connection with holding a detailed enquiry by the Hon. Minister, I would like to know which are the political parties or whose Members or whose associated Members connected with them are involved in all this. There is a regular attempt on the part of some Opposition leaders to create violence and law and order problem in this country.

Whenever dignitaries come from other countries to our country, the Opposition want to create trouble for them to bring our country into disrepute. But, fortunately our country's reputation has not been spoiled and, on the other hand, our country stands very high in the esteem of the whole world. That we have seen for ourselves.

I congratulate the Hon. Home Minister. He has made pucca and foolproof arrangements here when one-third of the world's Heads of Government and dignitaries have come down here. There were very good security arrangements.

I would like to have a detailed reply from the Hon. Minister whether he is going to institute an enquiry and the political parties involved in it.

The Delhi police are doing an excellent job. When people are doing a good job, if day in and day out you go on condemning them in Parliament, it will go into the world press also, and the world press will think that the Indian policemen are not honest and efficient. Therefore, such type of statements should not be made in Parliament.. If at all any specific fact is there, they can directly write to the Minister and he will take appropriate action.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : Then let us do away with Parliament and write to Ministers !

(Interruptions)

SHRI M. RAM GOPAL REDDY : There are some matters which cannot be discussed in Parliament also. To maintain the prestige of the country, we have to keep certain things as secret. Even if there are some bad elements in the police, they can write to the Minister, they need not mention in Parliament. We were also in the Opposition. You can refer to my speech when I was in the Opposition ; when they blamed the police, at that time, I came to the rescue of the Delhi police ; it is on record...

MR. DEPUTY-SPEAKER : Next time you quote from one of your speeches made from the Opposition.

(Interruptions)

SHRI M. RAM GOPAL REDDY : If an eminent leader, a big leader, of Mr. Vajpayee's status also goes down to the level of a common man...

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : I am a common man. He may be uncommon, but I am common.

SHRI M. RAM GOPAL REDDY : Certainly I am very uncommon for them. I request the hon. Minister...

MR. DEPUTY-SPEAKER : Mr. Ram Gopal Reddy, he is a commoner and you are a sugar magnate.

SHRI M. RAM GOPAL REDDY : I want the hon. Minister to give a detailed reply.

SHRI P.C. SETHI : Sir...

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : What was his question ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : The Minister will reply.

SHRI P.C. SETHI : As far as the strength of the police personnel is concerned, it has been raised ; in 1980 the total number was 23,750 and now it has been raised to 30,000 and something—overall. Therefore, the number of policemen and the personnel have been increased from time to time.

As far as the persons who have been arrested are concerned, some of them are found to be associated with the extremists, but as far as I know, there is no connection with any political party as such. As far as the question of Mr. Dhirendra Brahmachari is concerned, I have answered that the guns manufactured in his factory were not used in the crimes committed in Delhi.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : So far.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Mr. Zainul Basher.

श्री जैनुल बशर (गाजीपुर) : उपाध्यक्ष जी, दिल्ली में कानून और व्यवस्था के बारे में बहस करते समय हम लोगों को इस बात को भी ध्यान में रखना चाहिए कि दिल्ली की पुलिस कितनी चुनौतियों के सामने अपना काम कर रही है। दिल्ली देश की राजधानी है और राजधानी होने के साथ ही यहां पर विदेशी दूतावास हैं, बड़ी-बड़ी कान्फ्रेंसेज होती रहती हैं, अन्तर्राष्ट्रीय खेल-कूद, कल्चरल इवेन्ट्स और इसी प्रकार की दूसरी चीजें होती रहती हैं। इसके अलावा सारे विरोधी दल बराबर दिल्ली में कोई न कोई एजीटेशन या प्रदर्शन करते रहते है।

(Interruptions)

सभी करते हैं। जब हम विरोधी दल थे, तो हम

भी करते थे और अब भी करते हैं। तो सभी राजनीतिक पार्टियां कुछ न कुछ प्रदर्शन और कुछ न कुछ आन्दोलन यहां पर करती रहती हैं। इसके अलावा दिल्ली की आबादी लगातार बढ़ती जा रही है। इन समस्याओं के बीच में दिल्ली पुलिस की कारगुजारियों को जब हम देखते हैं तो हम पाते हैं कि वह दिल्ली में कानून और व्यवस्था काबू में रखने में पूर्णतः सफल रही है। हालांकि यह सही है कि समय-समय पर कुछ घटनाएं हो जाती हैं। जैसा कि गृह मंत्री जी ने बताया कि इस 70-71 लाख की आबादी वाले शहर में और सारी राजनीतिक गतिविधियों से घिरे हुए शहर में केवल 30 हजार पुलिसमैन काम करते हैं। इन सारी बातों को देखते हुए दिल्ली में पुलिस की संख्या निस्सन्देह बहुत कम है और इसको और बढ़ाना चाहिए। दिल्ली में इतना क्राइम नहीं है जितनी कि समस्याएं हैं। फिर भी इतनी कम तादाद में होते हुए भी दिल्ली के पुलिस वालों ने जो काम किया है वह संतोषजनक काम किया है और इसके लिए उनकी तारीफ की जानी चाहिए।

दिल्ली राजधानी होने के साथ-साथ बहुत-सी गतिविधियों का भी केन्द्र है। यहां से बड़े-बड़े नेशनल अखबार निकलते हैं। यहां पर कोई भी घटना घट जाए, वह पूरे देश में फैल जाती है। जबकि देश के दूसरे भागों में यहां से भी अधिक गंभीर घटनाएं घटती हैं लेकिन उनको अखबारों में पब्लिसिटी नहीं मिलती है। दिल्ली में कोई भी छोटी-सी घटना घटती है वह पूरे देश में फैल जाती है और पार्लियामेंट के मेम्बर भी शोर मचाने लगते हैं। इसमें दिल्ली की पुलिस को नर्वसनेस और टेंशन में काम करना पड़ता है।

SHRI RASHEED MASOOD : Sir, on a point of order. Is the term '*Sor Machana*' parliamentary, Sir ?

SHRI ZAINUL BASHER : Sir, I have not said anything unparliamentary. If I have said any, you can remove it.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Mr. Rasheed, you need not worry. I will go through the record.

श्री जैनुल बशर : अगर शोर मचाना कहना अनपार्लियामेंटरी हो तो निकाल दीजिए।

उपाध्यक्ष जी, मैं कह रहा था कि ऐसी स्थिति में दिल्ली की पुलिस को बराबर नरवसनेस और टेंशन में काम करना पड़ता है और रहना पड़ता है। इसलिए हमें केवल एक पक्ष की ही तरफ नहीं देखना चाहिए, दूसरे पक्ष की तरफ भी देखना चाहिए।

यह सही है कि दिल्ली राजधानी है और यहां पर कानून और व्यवस्था में किसी भी प्रकार की गिरावट नहीं आनी चाहिए। हम दिल्ली पुलिस की विशेषकर इस बात के लिए तारीफ करते हैं कि यहां पर दो-दो इन्टरनेशनल कांफ्रेंसिज हुईं। अभी कामनवेल्थ कांफ्रेंस खत्म हुई है, इससे पहले 'नेम' कांफ्रेंस हुई थी। उसके पहले यहां एशियाई गेम्स हुए थे। सभी में किसी प्रकार की भी कोई घटना यहां नहीं हुई। दिल्ली पुलिस ने उन कांफ्रेंसिज के समय और एशियाई खेलकूदों के समय अपनी जिम्मेदारी को बहुत ठीक ढंग से निभाया। बड़े-बड़े प्रदर्शन यहां हुए, लेकिन यहां पर किसी भी प्रकार की कोई अव्यवस्था नहीं फैली। दिल्ली पुलिस ने ठीक प्रकार से काम किया।

अगर दिल्ली में दो-चार डकैतियां पड़ जाती हैं, या एकाध कत्ल हो जाता है, उनके लिए दिल्ली की पुलिस को बुरा-भला कहना ठीक नहीं है। हालांकि मैं इस बात से सहमत हूं कि ये दो-चार डकैतियां, चोरियां या किसी प्रकार की और घटना भी यहां नहीं होनी चाहिए। लेकिन क्या इन सबको रोक पाना हम लोगों के बस में है ?जब तक इन्सान दुनिया में है, इन्सान की प्रवृत्ति को कोई नहीं रोक सकता है। इस प्रकार की घटनायें होती रहती हैं और होती रहेंगी। लेकिन ऐसी घटनायें कम हों, अधिक न हों। इसमें दिल्ली पुलिस कामयाब है और ऐसी घटनाओं के दोषियों को पकड़ने के लिए भी दिल्ली पुलिस की तारीफ की जानी चाहिए।

मैं एक बात गृह मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि दिल्ली पुलिस में काफी वृद्धि की जाए। यह

वृद्धि एक-दो परसेंट नहीं बल्कि काफी वृद्धि होनी चाहिये। दुनिया की राजधानियों में पुलिस को—चाहे वह वाशिंगटन की पुलिस हो, चाहे लन्दन की पुलिस हो—जो आधुनिक सुविधायें और सामान उपलब्ध कराये जाते हैं वे यहां की पुलिस को भी कराये जाने चाहियें क्योंकि दिल्ली एक अन्तर्राष्ट्रीय शहर बन चुका है और एक अन्तर्राष्ट्रीय शहर की सारी सुविधायें दिल्ली पुलिस को भी उपलब्ध होनी चाहियें।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि दिल्ली के जो पुलिस कर्मचारी हैं उनके मनोबल को ऊंचा उठाने की भी कार्यवाही होनी चाहिये। मैं अक्सर यह देखता हूं कि जब भी दिल्ली मे कोई कान्फ्रेंस वगैरह होती है या और बहुत सारी रैलीज वगैरह होती हैं, उनको कंट्रोल करने के बाद या क्राइम्स से संबंधित लोगों को पकड़ने के बाद दिल्ली पुलिस के लोगों को कुछ ईनाम वगैरह की घोषणा नहीं की जाती और दिल्ली पुलिस के लोगों की सरकार स्तर से कोई तारीफ नहीं की जाती। सिर्फ पार्लियामेंट में बैठकर हम लोग उनकी नुक्ताचीनी की बातें करते रहते हैं लेकिन उनके ठीक काम करने की तारीफ कभी नहीं करते। अभी 2-3 बड़ी-बड़ी कान्फ्रेंसों को दिल्ली पुलिस ने जिस अच्छे तरीके से निपटाया, उसकी तारीफ नहीं की जाती। उनकी तारीफ होनी चाहिये, उनको ईनाम मिलना चाहिये। इसके साथ-साथ पुलिस विभाग के छोटे कर्मचारियों, कांस्टेबल, हैड कांस्टेबल, सब-इन्स्पेक्टर इत्यादि को सुविधायें देने की ओर ध्यान दिया जाना चाहिये। इनके परिवारों को रहने के लिये मकानों की व्यवस्था होनी चाहिये। इन लोगों के आने-जाने के लिये सवारियों की व्यवस्था करनी चाहिये। क्योंकि ये 24 घंटे बराबर काम में रहते हैं। जब तक इनके परिवारों को सुविधायें नहीं मिलेंगी तब तक ये ठीक प्रकार से काम नहीं कर पायेंगे।

इसी प्रकार से दिल्ली पुलिस की तनख्वाहों के बारे में भी वृद्धि की जानी चाहिये। दूसरे, जो सरकारी कर्मचारी हैं उनके बराबर इनको रखना ठीक नहीं है। सरकारी कर्मचारी तो केवल 8 घंटे काम करके चले जाते हैं लेकिन 24-24 घंटे दिन-रात भी काम करना पड़ता है। इसलिये उनकी तनख्वाहों के बारे में भी सरकार को विचार करना चाहिये।

तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिन बातों का मैंने जिक्र किया है, पुलिस की सुविधाओं के लिये, उनकी तरक्की के लिए, उनकी तारीफ के लिये और उनको अधिक सुविधायें देने के बारे में; इन सब बातों पर वे क्या सोच रहे हैं और इस मामले में क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक दिल्ली पुलिस का ताल्लुक है, यह बात दिल्ली पुलिस की क्रेडिटेबल है कि दिल्ली पुलिस इतने टेंशन में है और इस प्रकार की डकैतियों की दुर्घटनायें हुई हैं, लेकिन किसी प्रकार का कोई सांप्रदायिक दंगा दिल्ली में नहीं हुआ। हालांकि कुछ लोग इसके लिये कोशिश करते रहे लेकिन दिल्ली की पुलिस ने नहीं होने दिया। इसके लिए दिल्ली पुलिस बधाई की पात्र है।

माननीय सदस्य ने जो सुझाव दिया है कि उनकी संख्या में बढ़ौत्तरी होनी चाहिये। इस पर हमें फाइनेंस मिनिस्ट्री के साथ विचार करना पड़ेगा। जहां तक हाउसिंग का ताल्लुक है, उसके लिये पुलिस कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक सुधार किया जा रहा है। दिल्ली की पुलिस जो अच्छा काम करती है उसके लिये समय-समय पर राष्ट्रपति और दूसरे मैडल उनको दिये जाते हैं। इस प्रकार उनको पुरस्कृत किया जाता है। माननीय सदस्य ने और सदन के अन्य माननीय सदस्यों ने, श्री रेड्डी साहब ने जो दिल्ली पुलिस के बारे में अच्छे शब्द कहे हैं उसके लिए मैं उनका आभारी हूं।